कॉर्ड-11014/7/2019-समन्वय

भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

(समन्वय प्रभाग)

****

#10, श्रम शक्ति भवन
रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001
दिनांक:23 मई, 2023

कार्यालय ज्ञापन

विषयः एसडीई मंत्रालय से संबंधित मंत्रिमंडल के लिए मासिक सारांश के संबंध में।

मुझे माह अप्रैल, 2023 के लिए महत्वपूर्ण कार्यकलापों का मासिक सारांश अंग्रेजी और हिंदी में, सूचनार्थ अग्रेषित करने का निदेश हुआ है।

अनुलग्नकः उपरोक्त के अनुसार

शंकर पंडित

(शंकर पंडित)
अवर सचिव, भारत सरकार

सेवा में:-

भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग

प्रतिलिपि सूचनार्थ:-

मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली -110001।

माह अप्रैल, 2023 के दौरान इस मंत्रालय की कुछ प्रमुख उपलब्धियां/पहलें इस प्रकार हैं:

1. माननीय केंद्रीय शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री (एमएसडीई), श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 11-04-2023 को नई दिल्ली में फ्यूचर स्किल्स फोरम में भारत के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में नामांकित छात्रों के लिए रोजगारपरक कौशल पाठ्यक्रम के डिजिटल संस्करण का अनावरण किया। द फ्यूचर स्किल्स फोरम - फ्यूचर राइट स्किल्स नेटवर्क (एफआरएसएन) की एक पहल है, जो क्वेस्ट एलायंस, एक्सेंचर, सिस्को और जेपी मॉर्गन का सहयोगी प्रयास है। यह युवाओं को भावी महत्वपूर्ण कौशल हासिल करने में सहायता करने के लिए सरकारी कौशल प्रशिक्षण संस्थानों, नागरिक समाजिक संगठनों, उद्योग और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व भागीदारों को एक साथ लाता है। किसी भी समय, कहीं भी अधिगम की आवश्यकता को पूरा करने के उद्देश्य से, ये मॉड्यूल भारत सरकार के भारत कौशल पोर्टल के साथ-साथ अन्य मंचों के माध्यम से 2.5 मिलियन से अधिक शिक्षार्थियों के लिए सुलभ होंगे।

2. एमएसडीई और शिक्षा मंत्रालय (एमओई) ने सीएसआईआर-खनिज और सामग्री प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमएमटी), भुवनेश्वर, ओडिशा, में 23 से 28 अप्रैल तक जी20 अध्यक्षता के तहत तृतीय शिक्षा कार्य समूह (ईडीडब्ल्युजी) की बैठक के दौरान भावी कार्य प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री द्वारा किया गया। प्रदर्शनी के दौरान, भारत और जी20सदस्य देशों के 100 से अधिक प्रदर्शकों ने प्रदर्शनी में आने वाले लोगों के सामने अपने उत्पादों, प्रकाशनों, कलाकृतियों और अन्य प्रचार सामग्री का प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शकों में सर्वाधुनिक उत्पादों/प्रौद्योगिकी प्रस्तुत करने वाले संगठन, प्रौद्योगिकी को अपनाने वाले पारंपरिक शिल्प क्षेत्रों की कंपनियां, भावी कौशल और शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान और थिंक टैंक शामिल हैं।

3. माननीय राज्य मंत्री, कौशल विकास और उद्यमशीलता तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी ने 24-04-2023 को तृतीय शिक्षा कार्य समूह (ईडीडब्ल्यूजी) की बैठक के तहत अपनी तरह की भविष्य के कार्य प्रदर्शनी के दूसरे दिन का उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए, राज्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन लॉजिस्टिक्स केप्रतिच्छेदन तटीय अर्थव्यवस्थाओं तथा स्थिरता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और जो तटीय अर्थव्यवस्थाओं में कौशलीकरण के संदर्भ में अंर्तनिहित है। उन्होंने आगे कहा कि लॉजिस्टिक्स आने वाले वर्षों में युवा भारतीयों के लिए सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी की तरह अवसरों से भरा क्षेत्र होगा।

4. प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला (पीएमएनएएम): राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सलाह दी गई है कि वे राज्य के कुल जिलों के 1/3 में प्रत्येक दूसरे सोमवार को पीएमएनएएम का आयोजन करें ताकि सभी जिलों को तिमाही में एक बार और वर्ष में चार बार शामिल किया जा सके। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को स्थानीय परिस्थितियों/त्योहारों आदि के आधार पर जिला/स्थान और मेले के दिन को चुनने की छूट दी गई है। तदनुसार, मार्च माह के लिए पीएमएनएएम का आयोजन 10.04.2023 को किया गया था। इसी के साथ, जून, 2022 से अब तक देश में 2,066 स्थानों पर पीएमएनएएम का आयोजन किया जा चुका है। संचयी रूप सेभाग लेने वाले उम्मीदवारों की संख्या 3.09 लाख तक पहुंच गई है और पीएमएनएएम में 16,985 प्रतिष्ठानों ने भाग लिया। पीएमएनएएम शिक्षुता प्रशिक्षण के लिए सहयोगी मंच के रूप में भी कार्य करता है। पीएमएनएएम के बाद प्रत्येक माहअगले 20 दिनों के लिए शिक्षुता अनुबंधों को ट्रैक किया

गया और 3.95 लाख शिक्षुता अनुबंध तैयार हुए; जिसमें पीएमएनएएम के बाहर तैयार अनुबंध भी शामिल हो सकते हैं।

5. चालू परियोजनाएं:

i. अवसर परियोजना को 12 राज्यों में एसएचजी, ट्रांसजेंडर समुदाय, महिलाओं और अल्पसंख्यक समूहों के 4500 उम्मीदवारों को कौशल और उद्यमशीलता विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लक्ष्य के साथ कार्यान्वित किया जा रहा है। दिनांक 30.04.2023 तक, 7 राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 73 केंद्र चल रहे हैं है, जिनमें 3818 महिला उम्मीदवार ब्यूटी थेरेपिस्ट, हाथ कढ़ाई, स्व-नियोजित सिलाई, सामान्य ड्यूटी सहायक, मशरूम की खेती और जैविक उत्पादक जैसे जॉब रोल्स में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

ii. दिव्यांगजनों के लिए कौशल परिषद (एससीपीडब्ल्यूडी) के साथ साझेदारी में अल्पावधि प्रशिक्षण इकोसिस्टम के लिए प्रशिक्षकों के रूप में दिव्यांगजन पेशेवरों के पूल को तैयार करने के लिए एक परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। इस परियोजना में प्रशिक्षकों के रूप में 150 दिव्यांगजन पोशेवरों और मास्टर प्रशिक्षकों के रूप में 25 पेशेवरों को प्रशिक्षण देना शामिल है। परियोजना के अनुभवों के आधार पर विशेष रूप से दिव्यांग प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए एक प्रशिक्षक अकादमी स्थापित की जाएगी। टीओएमटी का तीसरा बैच 29.04.2023 को पूरा हुआ, जिसमें 5 उम्मीदवारों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रमाणित किया गया।

iii. हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद (एचसीएसएससी) के साथ साझेदारी में मुंबई के विभिन्न समूहों में काम कर रहे 2,000 जरी कारीगरों के कौशल विकास के लिए एक परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। दिनांक 30.04.2023 तक, कुल 240 कामगारों को नामांकित किया गया है, 162 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है और उनका आकलन किया गया है और 161 उम्मीदवारों को प्रमाणित किया गया है।

iv. प्रशिक्षकों और आकलनकर्ताओं के रूप में सेवानिवृत्त सैनिकों द्वारा सेवा के दौरान सीखे गए कौशल को मान्यता और प्रमाणित करने के लिए भारतीय सेना के पूर्व भारतीय सेना निदेशालय (डीआईएवी) के साथ साझेदारी में एक परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। परियोजना का लक्ष्य 5,000 सेवानिवृत्त हो रहे/सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को शामिल करना है। दिनांक 30.04.2023 तक, 12 क्षेत्रों में 28 जॉब रोल्स में 26 सेना प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण शुरू हो गया है। कुल 3931 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और प्रमाणित किया गया है।

v. फार्मा क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का सहयोग करने के लिए एक परियोजना को जीवन विज्ञान क्षेत्र कौशल विकास परिषद (एलएसएएसएसडीसी) के साथ साझेदारी में कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य चिन्हित फार्मा समूहों/उद्यमों में काम कर रहे 7,500 कर्मचारियों (संविदात्मक और स्थायी) का